# उत्तर प्रदेश पुलिस

# की उपलब्धियाँ एक दृष्टि में

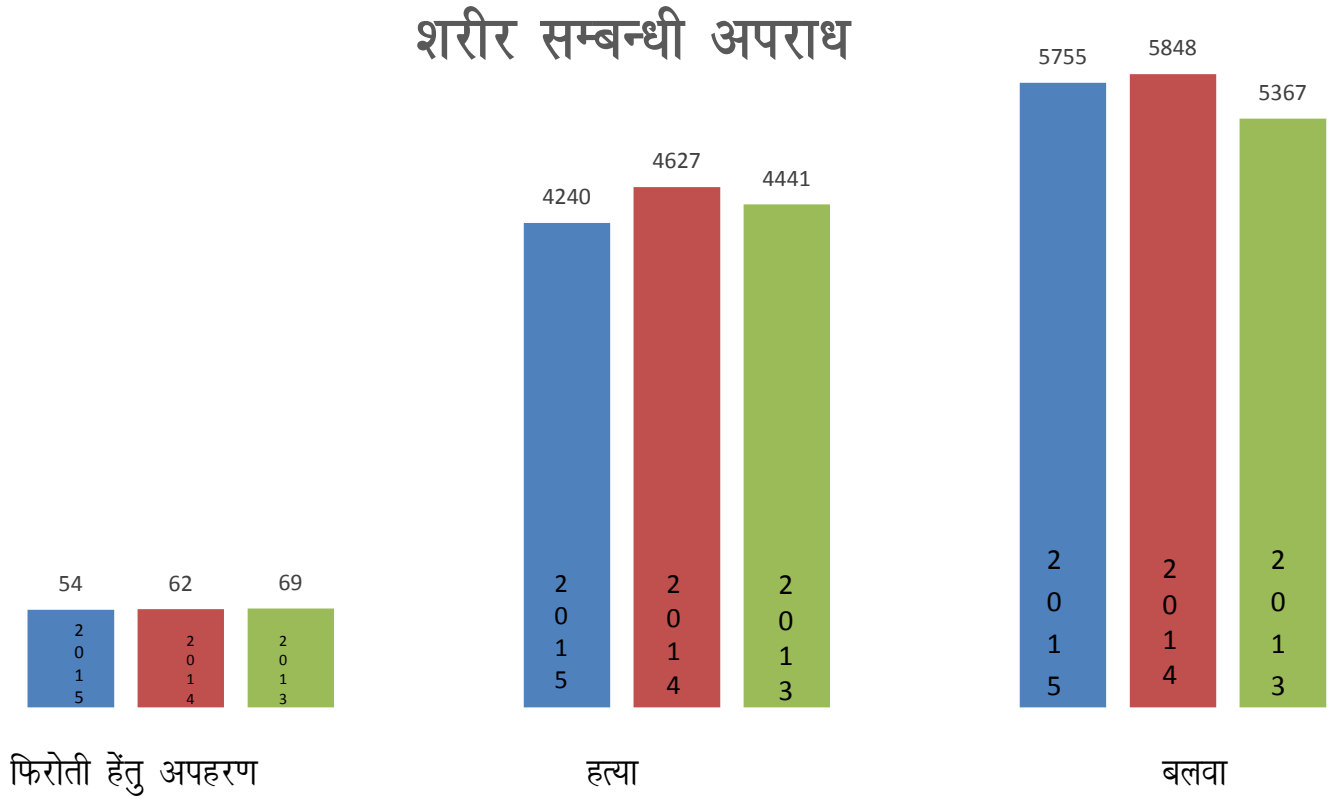


# शरीर सम्बन्धी अपराध

दिनांक 01.01.2015 से 30.11.2015 तक की अवधि तीन वर्षीय तुलनात्मक अपराध आकड़ों में विगत वर्ष के सापेक्ष आलोच्य अवधि में प्रदेश पुलिस द्वारा किये गये अथक प्रयास एवं पुलिस की मोबिलिटी एवं प्रतिबद्धता के कारण फिरौती हेतु अपहरण(-12.90 प्रतिशत), हत्या(-8.36 प्रतिशत), बलवा(-1.59 प्रतिशत) शीर्षक के अन्तर्गत घटित अपराधों में उल्लेखनीय कमी आयी है।

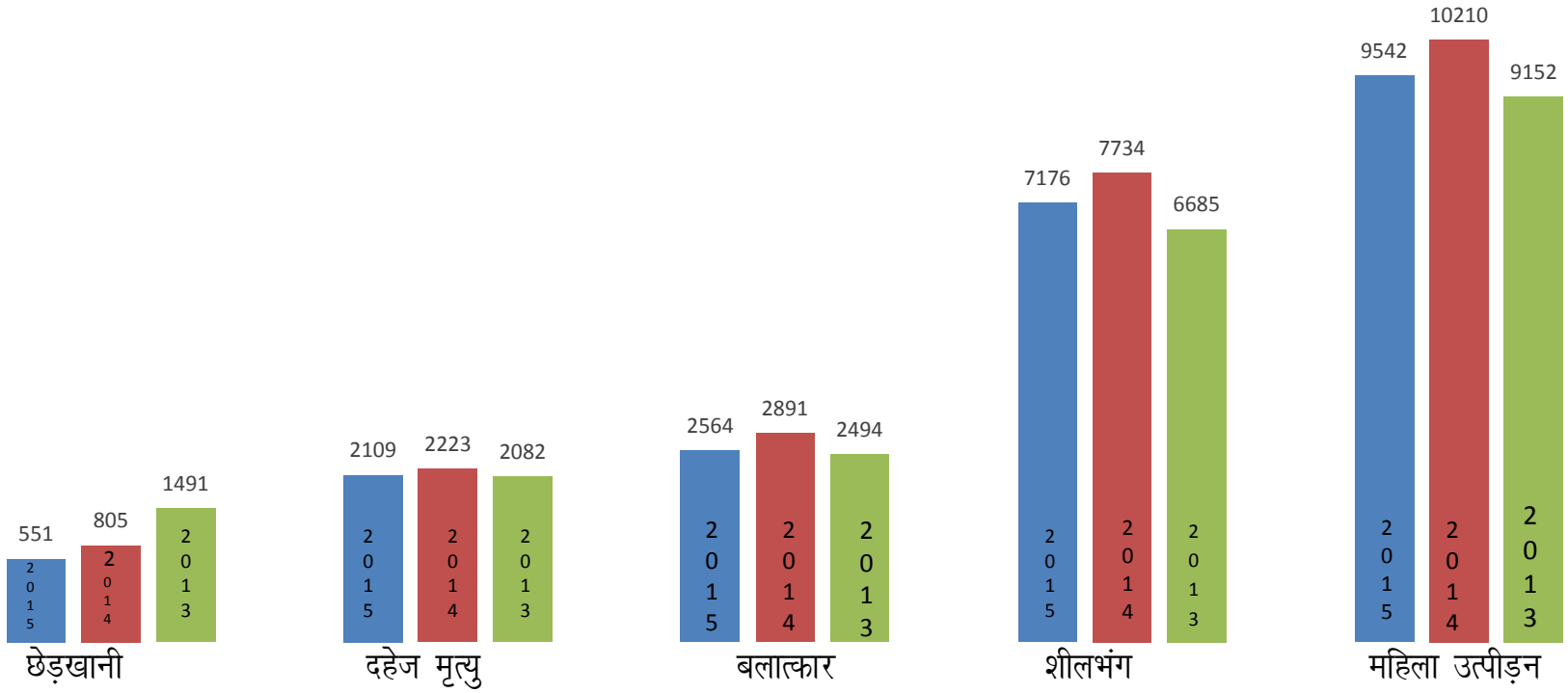


## महिलाओं के विरूद्ध घटित अपराध

दिनांक 01.01.2015 से 30.11.2015 तक की अवधि तीन वर्षीय तुलनात्मक अपराध आकड़ों में विगत वर्ष के सापेक्ष आलोच्य अवधि में प्रदेश पुलिस द्वारा किये गये अथक प्रयास एवं पुलिस की मोबिलिटी एवं प्रतिबद्धता के कारण छेड़खानी (-31.55 प्रतिशत), दहेज मृत्यु( -5.13 प्रतिशत), बलात्कार( -11.31 प्रतिशत), शीलभंग( -7.21 प्रतिशत) एवं महिला उत्पीड़न(-6.54 प्रतिशत) शीर्षक के अन्तर्गत घटित अपराधों में उल्लेखनीय कमी आयी है।

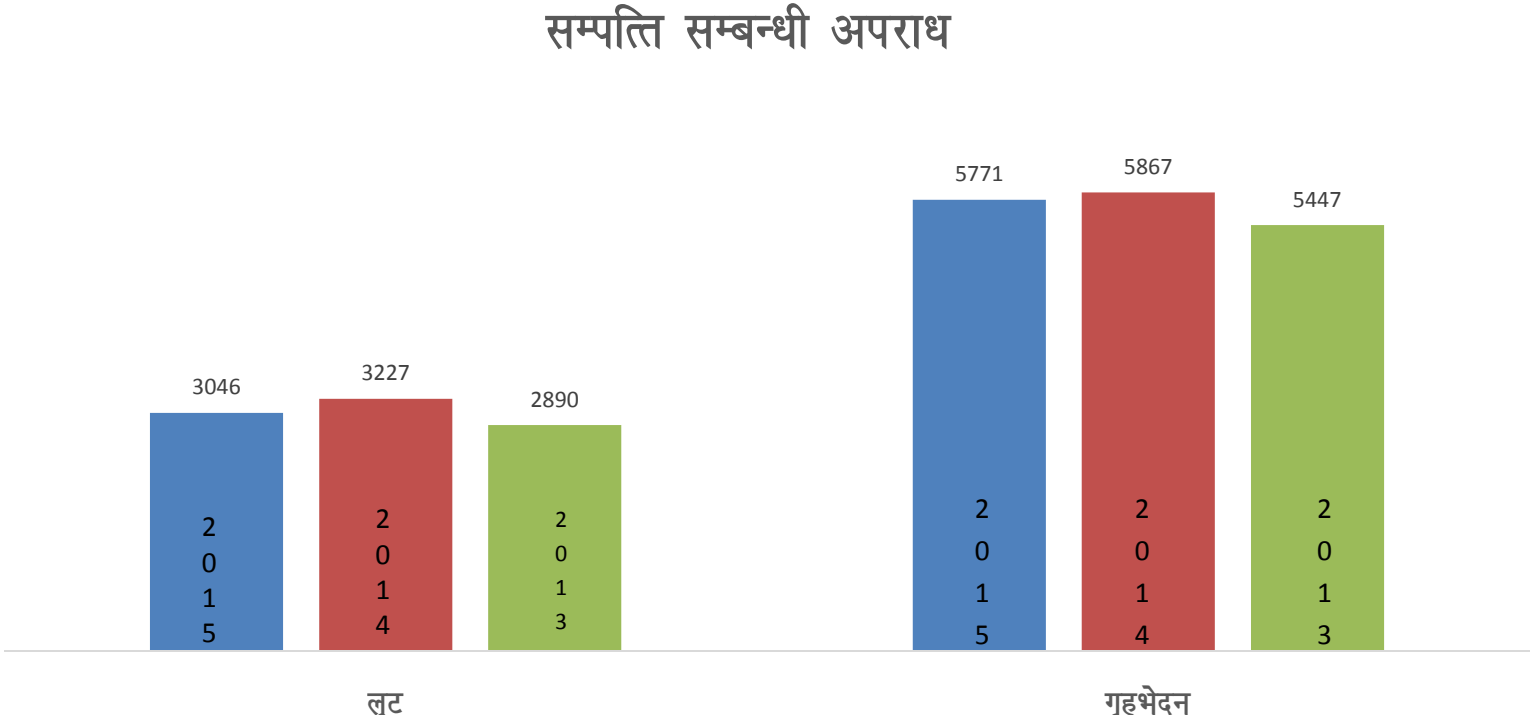


## सम्पत्ति सम्बन्धी अपराध

- दिनांक 01.01.2015 से 30.11.2015 तक की अवधि तीन वर्षीय तुलनात्मक अपराध आकड़ों में विगत वर्ष के सापेक्ष आलोच्य अवधि में प्रदेश पुलिस द्वारा किये गये अथक प्रयास एवं पुलिस की मोबिलिटी एवं प्रतिबद्धता के कारण लूट(-5.61 प्रतिशत) एवं गृह भेदन(-1. 64 प्रतिशत) शीर्षक के अन्तर्गत घटित अपराधों में उल्लेखनीय कमी आयी है।

# पुरस्कार घोषित अपराधियों के विरूद्ध कृत कार्यवाही का विवरण

## दिनांक 01.01.2015 से 30.11.2015 तक

| क्रम संख्या | विवरण | वर्ष | | |
|---|---|---|---|---|
| | | 2015 | 2014 | 2013 |
| 1 | गिरफ्तार/आत्मसमर्पण | 1790 | 1271 | 1266 |
| 2 | मृत/मारे गये | 44 | 21 | 20 |

- वर्ष 2014 में कुल 1271 पुरस्कार घोषित अपराधी गिरफ्तार/आत्म समर्पण कर जेल भेजे गये वहीं वर्ष 2015 की इसी अवधि में कुल 1790 पुरस्कार घोषित अपराधियों को गिरफ्तार/आत्मसमर्पण कर जेल भेजा गया जो विगत वर्ष के सापेक्ष आलोच्य अवधि में अधिक कार्यवाही की गयी।
- वर्ष 2014 में कुल 21 पुरस्कार घोषित अपराधियों को आत्मरक्षार्थ की गयी पुलिस कार्यवाही में मृत/मारे गये वहीं वर्ष 2015 की इसी अवधि में कुल 44 अपराधी आत्मरक्षार्थ की गयी पुलिस कार्यवाही में मृत/मारे गये जो विगत वर्ष के सापेक्ष आलोच्य अवधि में अधिक कार्यवाही की गयी।

➢ **आत्मरक्षार्थ की गयी कार्यवाही में मृत/मारे गये <u>प्रमुख पुरस्कार घोषित अपराधियों का विवरण</u>–**

रू0 05 लाख का पुरस्कार घोषित अपराधी **सुदेश पटेल उर्फ बलखड़िया जनपद चित्रकूट,** तथा रू0 50 हजार के पुरस्कार घोषित अपराधी राहुल खट्टा जनपद बागपत, रोहित उर्फ सनी सिंह जनपद वाराणसी एवं पंकज उर्फ भोला जाट जनपद अलीगढ़ प्रमुख हैं।

➢ **<u>गिरफ्तार किये गये प्रमुख पुरस्कार घोषित अपराधियों का विवरण</u>–**

रू0 02 लाख का पुरस्कार घोषित **अपराधी सुकरम पाल जनपद बागपत,** रू0 01 लाख का पुरस्कार घोषित अपराधी **रणदीप जनपद गौतमबुद्धनगर** तथा रू0 50 हजार के पुरस्कार घोषित अपराधी अशोक, जुगेन्द्र, सिंहराज भाटी, हरेन्द्र, महताब, सादर, मोबीन उर्फ काला, धारा, श्रीप्रकाश, मुकीम उर्फ काला, संजीव चौधरी, सुमित कुमार उर्फ मोनू, सुरेन्द्र उर्फ गुड्डु कटाई, देवेन्द्र उर्फ देबू, साबिर, गोदऊ उर्फ विनोद, विजय, सुजीत सिंह आदि प्रमुख हैं।

# सफलता में सहायक तत्व

➤ **प्रथम सूचना रिपोर्ट का शत प्रतिशत पंजीकरण** – शत प्रतिशत प्रथम सूचना रिपोर्ट अंकित किये जाने के सम्बन्ध में वर्ष 2013 में माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पारित निर्णय के अनुसार मुख्यालय स्तर से विभिन्न निर्देश निर्गत किये गये तथा समय-समय पर मुख्यालय द्वारा शत प्रतिशत प्रथम सूचना रिपोर्ट अंकित किये जाने का पर्यवेक्षण किया जाता है, जिसके कारण प्रथम सूचना रिपोर्ट स्वतन्त्र रूप से सम्पूर्ण प्रदेश में पंजीकृत की जा रही है।

➤ **अज्ञात अभियोगो का सही अनावरण –** पुलिस द्वारा विवेचनाओं के सम्बन्ध में वैज्ञानिक विधियों का प्रयोग करने एवं लगातार प्रयासों से लूट, हत्या, डकैती के अनेकों अज्ञात अभियोगों का सफल अनावरण किया गया है, जिससे मुख्य अपराध शीर्षकों में घटित अपराधों में कमी आयी है। पुलिस द्वारा किये गये अज्ञात अभियोगों के सफल अनावरण के कुछ उदाहरण निम्न प्रकार हैः-

- **तनिष्क शोरूम में अज्ञात बदमाशों द्वारा करोड़ो की लूट जनपद सहारनपुर** – जनपद सहारनपुर के थाना सदरबाजार क्षेत्र में दिनांक 15.02.2015 को तनिष्क शोरूम में घटित करोड़ों की ज्वैलरी लूट की घटना का सफल अनावरण कराकर लूटी गयी सम्पत्ति की बरामदगी।
- **अज्ञात बदमाशों द्वारा घर में घुसकर वृद्ध महिला की हत्या व 02 व्यक्तियों को घायल करने की घटना जनपद बुलन्दशहर –** जनपद बुलन्दशहर के थाना सिकन्दराबाद क्षेत्र में अज्ञात बदमाशों द्वारा घर में घुसकर वृद्ध महिला की हत्या कर 02 को घायल किये जाने की घटना का सफल अनावरण कराकर पुलिस द्वारा अभियुक्तों की गिरफ्तारी कर लूटी गयी सम्पत्ति बरामद की गयी।
- **दिनांक 28.08.2015 को कानपुर-लखनऊ नेशनल हाइवे पर थाना सोहरामऊ जनपद उन्नाव क्षेत्रान्तर्गत घटित सोना लूट की घटना –** कानपुर-लखनऊ नेशनल हाइवे पर सिक्वेल लॉजिस्टिक प्रा0 लिमिटेड कम्पनी की वैन के ड्राइवर की हत्या कर अज्ञात बदमाशों द्वारा भारी मात्रा में सोना लूट जाने की घटना का जनपद पुलिस एवं एस0टी0एफ0 टीम के संयुक्त प्रयास द्वारा अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लूटा गया सोना बरामद किया गया।
- **दिनांक 03.10.2015 को जनपद चन्दौली क्षेत्रान्तर्गत टीवी पत्रकार की अज्ञात बदमाशों द्वारा गोली मारकर हत्या –** दिनांक 03.10.2015 को टीवी पत्रकार हेमन्त कुमार सिंह की गोली मारकर अज्ञात बदमाशों द्वारा हत्या कर दी गयी थी के सम्बन्ध में जनपदीय पुलिस द्वारा अभियोग का सफल अनावरण कराकर आलाकत्ल बरामद कर सभी अभियुक्तों को जेल भेजा गया।

➢ **प्रो–एक्टिव पुलिसिंग** – इस अवधि में प्रो–एक्टिव पुलिसिंग एवं कम्यूनिटी पुलिसिंग के कारण अपराधों में कमी आयी है। पुलिस को वर्ष 2012 से अब तक उपलब्ध कराये गये संसाधन यथा चार पहिया(कुल संख्या 2806) व दो पहिया(कुल संख्या 2466) वाहनों आदि से पुलिस की मोबिलिटी बढ़ी है एवं पहुँच तथा रिस्पांस टाइम बेहतर हुआ है। अपराधियों पर सतर्क दृष्टि रखने के लिए प्रमुख शहर के चौराहों एवं संवेदनशील स्थानों पर वर्ष 2011 से अब तक कुल 406 अदद सीसीटीवी कैमरें लगाये गये हैं। आधुनिकीकरण योजना 2014–15 के अन्तर्गत 53 सीसीटीवी कैमरें स्वीकृत हैं जिनके क्रय की कार्यवाही प्रचलित है। इसके अतिरिक्त वर्ष 2015 में प्रदेश के 262 थानों में सीसीटीवी कैमरे की स्थापना हेतु उ0प्र0 पुलिस तकनीकी सेवायें, मुख्यालय, लखनऊ स्तर पर कार्यवाही प्रचलित है। अपराधियों पर सर्तक दृष्टि/चिन्हांक्न हेतु प्रदेश के जनपद गाजियबाद में 02, मेरठ में 01, सहारनपुर–01 एवं बरेली में 01 ड्रोन क्रय किये गये है।

➢ **सतत् व सघन पर्यवेक्षण** – विवेचनाओं के गहन पर्यवेक्षण तथा अनिवार्य एवं नियमित अर्दली रूम हेतु इस मुख्यालय से अनेक निर्देश निर्गत हुए है। जिसके कारण विवेचनाओं की गुणवत्ता में सुधार हुआ है। विवेचनाओं में पहले की अपेक्षा वैज्ञानिक विधियों का अधिकाधिक प्रयोग किया जा रहा है। जिसमें विधि वैज्ञानिक विशेषज्ञों की सेवायें, डाग स्क्वायड, डीएनए एनालिसिस आदि विशेष उल्लेखनीय है।

➢ **महिला के विरूद्ध अपराध** – महिलाओं की सुरक्षा के लिए अपर पुलिस महानिदेशक के नेतृत्व में **''महिला सम्मान प्रकोष्ठ''** का गठन किया गया है। जिसके कारण महिलाओ से सम्बन्धित अपराधों में प्रभावी कार्यवाही तथा विवेचनाओं का अनुश्रवण नियमित रूप से हो रहा है। परिणाम स्वरूप विगत वर्षो की अपेक्षा आलोच्य अवधि में छेड़खानी (–31.55 प्रतिशत), बलात्कार (–11.31प्रतिशत) एवं दहेज हत्या(–5.13प्रतिशत) की अप्रत्याशित कमी दृष्टिगोचर हो रही है।

➢ **आपरेशन स्माइल/मुस्कान** – गुमशुदा एवं लावारिश बच्चों की तलाश व पुर्नवास के सम्बन्ध में प्रदेश पुलिस द्वारा इस वर्ष दो विशेष अभियान आपरेशन मुस्कान एवं आपरेशन स्माइल नाम से चलाये गये हैं। अभियान के दौरान आपरेशन मुस्कान में 1220 एवं आपरेशन स्माइल में 855 विभिन्न आयु वर्ग के बच्चों को तलाश/बरामद कर पुर्नवास हेतु भेजा गया है।

# हमारी चुनौतियॉं

## ➢ बढ़ती जनसंख्या

- वर्ष 2011 में - 19.9 करोड़
- वर्ष 2015 में - 22 करोड़(लगभग)

## ➢ घटती जनशक्ति

- प्रति वर्ष लगभग 4000 पुलिसकर्मी सेवानिवृत्त हो रहे हैं।
- वर्ष 2011 के बाद हुई भर्तियों के पुलिसकर्मी पुलिस कार्य हेतु अभी तक अनुपलब्ध।
- वर्तमान सरकार के विशेष प्रयासों से सभी बाधाओं को दूर करते हुए अब तक उपनिरीक्षक/प्लाटून कमाण्डर के कुल 3463 पदों पर भर्ती की गयी है, जिसमें 2983 अभ्यर्थी वर्तमान में प्रशिक्षणाधीन हैं।
- आरक्षी समकक्ष सीधी भर्ती 2013 के अन्तर्गत 38315 पदों पर भर्ती प्रक्रिया पूर्ण हुई है। प्रथम चरण में 12469 को जनपद आंवटित कर प्रशिक्षण प्रदान किये जाने की कार्यवाही प्रचलित है, शेष की चरित्र सत्यापन की कार्यवाही प्रचलित है। चरित्र सत्यापन प्रक्रिया पूर्ण होने पर प्रशिक्षण में भेजे जाने की कार्यवाही की जायेगी।
- कम्प्यूटर प्रोग्रामर ग्रेड-2 के 07 एवं कम्प्यूटर आपरेटर ग्रेड-ए के 665 पदों पर चयन की कार्यवाही की गयी है, जो पुलिस बल में कार्य कर रहे हैं।

# साइबर क्राइम

| क्रम संख्या | वर्ष | पंजीकृत | विगत वर्ष की तुलना में कमी/वृद्धि का प्रतिशत |
|---|---|---|---|
| 1 | 2012 | 314 | 185.45 |
| 2 | 2013 | 727 | 131.52 |
| 3 | 2014 | 1756 | 141.54 |
| 4 | 2015(माह अक्टूबर तक) | 1836 | – |

साइबर अपराधों में हाल के वर्षो में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। वर्ष 2011 के सापेक्ष वर्ष 2012 में लगभग 185.45 प्रतिशत, 2012 के सापेक्ष वर्ष 2013 में लगभग 131.52 प्रतिशत एवं वर्ष 2013 के सापेक्ष वर्ष 2014 में लगभग 141.54 प्रतिशत की वृद्धि हुई है तथा वर्ष 2015 के अक्टूबर माह तक 1836 अभियोग पंजीकृत हो चुके हैं।

- **साइबर अपराधों के अनावरण/प्रभावी कार्यवाही हेतु कार्ययोजना –** साइबर अपराधों की विवेचनाओं के अनावरण/प्रभावी कार्यवाही एवं गुणवत्ता बढ़ाने हेतु पुलिस कर्मियों की विशेषज्ञता हेतु सी0बी0आई से एम0ओ0यू0 किया गया है एवं प्रशिक्षण एवं प्रशिक्षकों की व्यवस्था भी की जा रही है। इन प्रयासों से निकट भविष्य में इस क्षेत्र में भी उ0प्र0 पुलिस विशेषज्ञता हासिल कर सकेगी।
- **साइबर अपराधों के सफल निस्तारण हेतु साइबर यूनिट की स्थापना –**
  - साइबर अपराधों के सफल निस्तारण हेतु प्रदेश में दो साइबर यूनिट क्रमशः आगरा एवं लखनऊ में स्थापित किये गये हैं, जो वर्तमान में क्रियाशील हैं। इसके अतिरिक्त प्रदेश के समस्त जनपदों में अपर पुलिस अधीक्षक(अपराध) के नियन्त्रणाधीन साइबर सेल कार्य कर रहे है।
  - साइबर अपराधों के बढ़ते अपराधों के दृष्टिगत मुख्यालय स्तर से सभी जोनल मुख्यालयों पर एक–एक साइबर थाना खोले जाने का प्रस्ताव शासन में प्रेषित किया गया है।

# पुलिस की उपलब्धियॉं

वर्ष 2015 में प्रदेश पुलिस के प्रयास, प्रतिबद्धता एवं संकल्प के कारण अन्य अपराधों के अतिरिक्त हत्या एवं महिला उत्पीड़न से सम्बन्धित अपराधों में उल्लेखनीय कमी आयी है। हत्या एवं महिला उत्पीड़न सम्बन्धी अपराध ऐसे हैं जिन्हे वर्तमान परिवेश में छुपा पाना सम्भव नही है। इसी अवधि में **वर्ष 2013 में हत्या के 4441, वर्ष 2014 में 4627, वर्ष 2015 में 4240 अपराध** घटित हुए जो कि विगत वर्ष की अपेक्षा **उल्लेखनीय रूप से –8. 36 प्रतिशत** कम है। इसी प्रकार महिला से सम्बन्धित अपराधों में यथा दहेज मृत्यु में **विगत वर्ष के सापेक्ष –5.13 प्रतिशत, बलात्कार में –11.31 प्रतिशत, छेड़खानी में –31.55 प्रतिशत व फिरौती के लिए अपहरण में अप्रत्याशित रूप से –12.90 प्रतिशत** की कमी आयी है।

यह अपराध वर्ष 2014 में वर्ष 2013 की अपेक्षा अधिक थे। इससे स्पष्ट है कि प्रदेश पुलिस द्वारा इन अपराधों में वर्ष 2013 व 2014 में स्वतन्त्र रूप से शत प्रतिशत पंजीकरण तथा हत्या व महिला सम्बन्धी अपराधों में कठोर एवं त्वरित कार्यवाही की गयी तथा विवेचनाओं के गुणवत्ता के स्तर में सुधार किया गया। जिसके परिणाम स्वरूप वर्ष 2015 में इन सभी अपराधों में काफी कमी आयी है। पुलिस द्वारा इस दौरान अपनी मोबिलिटी बढ़ाई गयी, घटनाओं के प्रति संवेदनशीलता बढ़ायी गयी एवं विवेचनाओं के स्तर में सुधार लाया गया। जिसके परिणाम स्वरूप अपराधों में कमी आयी।

उपरोक्त के अतिरिक्त **लूट, बलवा, गृहभेदन में** भी कमी आयी है। उल्लेखनीय है कि प्रतिवर्ष प्रदेश की जनसंख्या में वृद्धि हो रही है जिसके सापेक्ष प्रायः अपराधों में सामान्यतः वृद्धि दिखनी चाहिए किन्तु प्रदेश पुलिस के अथक प्रयासों, दृढ़ संकल्प एवं पुलिस कर्मियों के अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध कार्यवाही करने की प्रतिबद्धता के कारण अपराधों में भारी कमी परिलक्षित हुई है एवं भयमुक्त एवं सुरक्षित वातावरण बनाने में हम सफलता की ओर अग्रसर हुए है।